SEMESTER – I

COURSE -1 (Prose, Short Stories and Grammar)

Theory **Credits: 04** **04 Hrs/Week**

Course Outcomes (COs)

CO1: गद्यकारों की शैली और विचारधारा को समझ सकेंगे।

CO2: कथा साहित्य के सामाजिक एवं मानवीय सरोकारों को पहचान सकेंगे।

CO3: कहानी की रचना-शैली, चरित्र-चित्रण और कथानक का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO4: लेखन एवं मौखिक संप्रेषण में शुद्धता और प्रभावशीलता ला सकेंगे।

CO5: हिन्दी-अंग्रेज़ी शब्दावली का कार्यालयीन संदर्भों में प्रयोग कर सकेंगे।

CO6: हिन्दी को व्यावहारिक कार्य-भाषा के रूप में अपनाने की क्षमता प्राप्त करेंगे।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी :

- भाषा दक्षता – हिन्दी भाषा के गद्य, कथा, व्याकरण और लेखन कौशल में दक्ष हो सकेंगे।
- साहित्यिक समझ – प्रमुख गद्यकारों और कथाकारों के माध्यम से साहित्यिक एवं सामाजिक मूल्यों को समझ सकेंगे।
- संचार कौशल – पत्र लेखन और शब्दावली के माध्यम से व्यवहारिक संप्रेषण कौशल विकसित करेंगे।
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना – गद्य और कथा साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज, संस्कृति और जीवन-मूल्यों से जुड़ाव होगा।
- व्यावहारिक अनुप्रयोग – व्याकरण और कार्यालयीन शब्दावली से शैक्षिक, सामाजिक एवं पेशेवर जीवन में हिन्दी का व्यवहारिक प्रयोग कर सकेंगे।

SYLLABUS

UNIT-I गद्य संदेश (PROSE)

1. आत्मनिर्भरता - ~~नन्द दुलारे वाजपेयी~~ पंडित बालकृष्ण भट्ट
2. भारत में संस्कृति संगम - रामधारी सिंह दिनकर
3. HIV/AIDS - डॉ. प्रकाश भातल बंडे

UNIT-II कथा लोक (SHORT STORIES)

1. मुक्ति धन - प्रेमचंद
2. हार - मन्नू भंडारी
3. भूख हड़ताल - बालशौरी रेड्डी

UNIT-III व्याकरण (GRAMMAR)

लिंग, वचन, काल विलोम शब्द

UNIT-IV

कार्यालयीन शब्दावली-अंग्रेजी से हिन्दी शब्द, हिन्दी से अंग्रेजी शब्द

UNIT- V

पत्र लेखन (छुट्टी पत्र, पिता के नाम पत्र, मित्र के नाम पत्र, पुस्तक विक्रेता के नाम पत्र)

Text Books:

1) **Gadya Sandesh**
2) **Kthalok**

Reference books :

1. **Hindi Sahitya ka Itihas – Ramachandra Shukla**
2. **Hindi Sahitya ka Itihas – Dr Nagendra**

SEMESTER – II

COURSE -II (Poetry, History of Hindi Literature and Grammar)

Theory Credits: 04 04 Hrs./Week

Course Outcomes (COs)

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी :

CO1: संत, भक्ति और रीतिकालीन साहित्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को पहचान सकेंगे।

CO2: ऐतिहासिक-सामाजिक महत्ता का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO3: लेखन और अभिव्यक्ति में व्याकरणिक शुद्धता ला सकेंगे।

CO4: प्रशासनिक और दफ़्तर संबंधी कार्यों में भाषाई दक्षता विकसित करेंगे।

CO5: हिन्दी भाषा को प्रशासनिक और औपचारिक संचार की प्रभावी भाषा के रूप में प्रयोग करना सीखेंगे।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी :

साहित्यिक ज्ञान – भक्ति और रीति काव्य की प्रमुख रचनाओं और प्रवृत्तियों की समझ विकसित करेंगे।

ऐतिहासिक दृष्टि – हिन्दी साहित्य के विकासक्रम और काल-विभाजन की अवधारणा को समझेंगे।

भाषाई दक्षता – व्याकरण और संक्षेपण के माध्यम से लेखन और बोलचाल में शुद्धता लाएँगे।

व्यावहारिक कौशल – कार्यालयीन शब्दावली और प्रयोजनमूलक लेखन का प्रयोग पेशेवर जीवन में कर सकेंगे।

संप्रेषण क्षमता – प्रशासनिक लेखन (परिपत्र, ज्ञापन, सूचना) में स्पष्टता और प्रभावशीलता प्राप्त करेंगे।

SYLLABUS

UNIT-I काव्यदीप

1. साखी - 1-5
2. तुलसीदास - 1-5
3. सूरदास - बाल वर्णन

UNIT-II हिन्दी साहित्य का इतिहास (History of Hindi Literature)

सामान्य परिचय

काल विभाजन

UNIT-III व्याकरण (GRAMMAR)

कारक

संक्षेपण

UNIT-IV कार्यालय शब्द -अंग्रेजी से हिन्दी पदनाम , हिन्दी से अंग्रेजी पदनाम

UNIT-V प्रयोजनमूलक हिन्दी

परिपत्र

ज्ञापन

सूचना

Text Books:

1. Kaavya deep

Reference books :

1. Hindi Sahitya ka Itihas – Ramachandra Shukla
2. Hindi Sahitya ka Itihas – Dr Nagendra